"आज सबसे पहले मैं, नए साल के लिए आप सबको अपनी शुभकामनाएं देना चाहता हूं। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि यह साल आप सबके लिए और हमारे तमाम देशवासियों के लिए सुख और समृद्धि से भरा हो।

मुझे खुशी है कि स्वर्गीय श्री पूरन चन्द्र गुप्त के सम्मान में आयोजित इस समारोह में मुझे भाग लेने का मौका मिला है। आज हम पूरन चन्द्र जी की याद में एक डाक टिकट जारी कर रहे हैं। उनके जन्म के सौवें साल में उनके प्रति आदर जाहिर करने का यह एक अच्छा तरीका है।

पूरन चन्द्र जी एक बहुत प्रतिभाशाली व्यक्ति थे। वे एक स्वतंत्रता सेनानी, एक क्रांतिकारी, एक पत्रकार और एक entrepreneur – यह सभी थे। उन्होंने पत्रकारिता का रास्ता इसलिए अपनाया, कि वे भारत की जनता की सेवा कर सकें। महात्मा गांधी के Civil Disobedience Movement के बाद उन्होंने एक राष्ट्रवादी अखबार की कल्पना की। 1942 में झांसी से उन्होंने "जागरण" का प्रकाशन शुरू किया और उसके पहले संपादक भी बने।

श्री पूरन चन्द्र गुप्त जी का यह पक्का विश्वास था कि भारत की जनता की आकांक्षाओं और भावनाओं को भारतीय भाषाओं के अखबारों के जरिए ही सही तरीके से ज़ाहिर किया जा सकता है। यह उनकी दूरदृष्टि का ही नतीजा है कि आज दैनिक जागरण जो हिंदी में प्रकाशित होता है, सारी दुनिया में सबसे ज्यादा पढ़ा जाने वाला दैनिक अखबार है। मुझे बताया गया है कि रोज़ करीब 5.5 crore लोग इस अखबार को पढ़ते हैं।

श्री पूरन चन्द्र जी ने जीवनभर आजाद और बेबाक पत्रकारिता को बढ़ावा दिया। किसी भी लोकतंत्र के लिए इस तरह का journalism बहुत आवश्यक है। मुझे इस बात की खुशी है कि हमारे देश का media आम तौर से स्वतंत्र और जीवंत है। नई Technology की वजह से print और electronic media दोनों की पहुंच भी अब बहुत बढ़ गई है। मेरा मानना है कि यह हमारे लोकतंत्र के लिए एक बहुत अच्छी बात है।

जब से हम आज़ाद हुए हैं तभी से media की भूमिका और उसके काम करने के तरीके पर हमारे देश में चर्चा होती रही है। मेरे विचार में, आज हमारे यहां यह आम सहमति है कि media के ऊपर किसी प्रकार का बाहरी नियंत्रण नहीं लगाया जाना चाहिए। लेकिन मेरा यह भी मानना है कि media के प्रतिनिधियों को मिल-जुलकर कोई ऐसा रास्ता निकालना चाहिए, जिसमें निष्पक्षता और objectivity को बढ़ावा मिले और sensationalism कम हो सके। आप सबको इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि किस

तरह से हम उन मुद्दों का coverage बढ़ा सकते हैं, जो हमारे देश के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। मुझे विश्वास है कि paid news जैसी बुराइयों को मिटाने के लिए भारत का media खुद प्रयास करेगा और इसमें सफल भी होगा।

मैं, श्री योगेन्द्र मोहन जी, श्री महेन्द्र मोहन जी और श्री संजय गुप्ता जी को बधाई देता हूं कि वे स्वर्गीय श्री पूरन चन्द्र जी की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। दैनिक जागरण अखबार आने वाले समय में और फले-फूल यही मेरी कामना है।

जय हिंद !"

***